



अनजान भाभी के साथ एक शाम

“चूत चुदाई सेक्स की हिंदी कहानी में पढ़ें कि चूत की तलाश में फेसबुक से मुझे एक भाभी मिली. उन्होंने मुझे मलने मॉल में बुलाया. उसके बाद क्या हुआ ?

”

...

Story By: मनु (manu)

Posted: Tuesday, September 22nd, 2020

Categories: [चुदाई की कहानी](#)

Online version: [अनजान भाभी के साथ एक शाम](#)

अनजान भाभी के साथ एक शाम

चुत चुदाई सेक्स की हिंदी कहानी में पढ़ें कि चुत की तलाश में फेसबुक से मुझे एक भाभी मिली. उन्होंने मुझे मलने मॉल में बुलाया. उसके बाद क्या हुआ ?

अन्तर्वासना के सभी पाठक और पाठिकाओं को मेरे की तरफ से नमस्कार !

मैं अन्तर्वासना का पाठक हूँ। आज मैं आप लोगों के सामने अपनी कहानी जो सच्ची घटना पर आधारित है। कहानी लिखने का मुझे ज्यादा अनुभव तो नहीं है। मेरी यह पहली कहानी है। इसलिए अगर कोई गलती हो जाये तो माफ करना।

मेरा नाम मनु है. मैं भोपाल (मध्यप्रदेश) का रहने वाला हूँ। अभी लॉकडाउन की वजह से घर पर बैठ बैठे ख्याल आया कि अपनी चुत चुदाई सेक्स की हिंदी कहानी पाठकों तक पहुंचाऊँ।

मैं आप लोगों को अपने बारे में कुछ बता देना चाहता हूँ. मैं देखने में एक साधारण नार्मल लगता हूँ. मेरी हाइट पांच फीट और सात इंच की है। मेरा वजन 73 किलोग्राम है।

अभी मेरी उम्र केवल 26 साल की ही हुई है। मेरा लंड 6 इंच का ही है। जब वह पूरा तन जाता है। तो उसकी मोटाई 2.5 इंच के करीब हो जाती है।

मैं आपको अपना रियल साइज ही बता रहा हूँ। कुछ लोग 10/11 इंच लिख देते हैं। जो गलत होता है। मेरे साइज का लंड कोई औरत लेगी तो उसकी प्यास आसानी से बुझाई जा सकती है।

यह कहानी से आज से करीब 3 साल पहले की है। जब मैं मेडिकल की पढ़ाई कर रहा था। मुझे चुदाई करने का शौक शुरू से ही रहा है. मेरी कॉलेज की गर्लफ्रेंड को मैं हफ्ते में कम से

कम 3 बार जरूर चौदता था ।

फिर मेरा ब्रेकअप होने की वजह से मैंने कुछ ऑनलाइन जिगोलो वेबसाइट और क्लब में कोशिश करी, लेकिन सब फ़र्जी थे । मैंने कुछ पैसे भी उसमें बर्बाद कर दिए ।

आखिर में एक फेसबुक पर एकाउंट बनाया. उस पर डिटेल्स डाल दिये और कई महिलाओं को रिक्वेस्ट रेंडमली भेज दी ।

मैं इंतज़ार करता रहा । लेकिन बहुत दिन हो गए किसी का न कोई मैसेज आया, न कोई रिक्वेस्ट आयी ।

बहुत दिन हो गए इंतज़ार करते-करते, मैंने फिर उम्मीद छोड़ ही दी थी ।

मगर एक दिन मैंने बहुत दिनों बाद एकाउंट खोला तो उसमें एक मैसेज रिक्वेस्ट पड़ी हुई थी प्रीति (बदल हुआ) नाम की लड़की की.

मैंने उसको रिप्लाई करा ।

फिर मैं उसके रिप्लाई का इंतज़ार करने लगा.

उसका मैसेज दूसरे दिन आया । उससे बहुत सारी बातें हुईं. वो बहुत अच्छी लड़की थी बहुत शालीन और अच्छे परिवार से ।

उससे बात करके पता चला कि वो 30 साल की है और शादीशुदा है, भोपाल में ही रहती है । उसके पति दवाई कम्पनी में मेडिकल रिप्रेजेन्टेटिव के पद पर है ।

उससे आगे काफी बातें हुईं ।

फिर हम काम की बात पर आ गए ।

उसने मुझसे मेरी फीस पूछी इस सवाल का मेरे पास कोई जवाब नहीं था । क्योंकि वो मेरी पहली क्लाइंट थी, और मुझे डर था कहीं वो मना न कर दे.

मैंने उसे कह दिया कि मैं कोई फीस नहीं लेता, मैं यह काम शौकिया तौर पर करता हूँ.

उसने मिलने के लिए हां कर दिया।

मैंने उससे मिलने समय, स्थान पूछा.

उसने मुझे सोमवार को एक यहां के मॉल में मिलने बुलाया। मैंने भी उसके फ़ोन नंबर और पता लेने में कोई जल्दबाज़ी नहीं दिखाई. मुझे डर था कि वो कहीं मना न कर दे।

मुझे समय काटना मुश्किल हो रहा था ; मैं बस सोमवार का इंतज़ार कर रहा था।

जैसे तैसे समय काटा और सोमवार को दोपहर के 1 बजे में उसकी बताई हुई जगह पर पहुंच गया।

उसका मुझे मैसेज आया कि वो पहुँच गयी है और वो पीले रंग का सूट पहने हुए है।

मैंने नज़र घूम कर फूड कोर्ट में देखा। वो दिखी तो उसको हाथ का इशारा करके उसे बुलाया।

वो एक नार्मल कद काठी वाली लड़की थी। मुझे वो सुंदर लगी थी।

हम मिले, साथ बैठे, बातें करी और उसने मुझसे मूवी के लिए पूछा।

मैंने तुरंत हामी भर दी.

हमने टिकट ली और मूवी हॉल में बैठ गए। इस बीच हम लोगों के हाथ कई बार टकराये।

मूवी स्टार्ट हुई और धीमे धीमे मैंने उसके हाथ को छुआ उसने कोई विरोध नहीं करा।

मेरी थोड़ी हिम्मत बढ़ी और आपने हाथ में उसका हाथ लिया और उसे सहलाने लगा हल्की हल्की उंगलियों से।

फिर मैंने उसको देखा तो वो मुझे रही थी।

मैंने उसके गाल पर एक किस करा। उसके होंठों पर अपने होंठ रख दिया और हम लोग किस करने लगे।

उसके होंठ काफी रसीले थे। मैंने काफी देर तक उसके होंठों को चूसा।

और फिर उसको किस करते करते मैंने अपना एक हाथ उसकी एक चूची पर रख दिया। मैं उसको दबाने लगा, उसने सिसकारी भरना चालू कर दिया। वो तो मैंने उसका मुख बंद कर रखा था। वरना आस पास के लोग सुन लेते।

उसकी चूची बड़ी नहीं थी लेकिन बहुत परफेक्ट थी ; शायद 34 की रही होगी।

हम लोग पूरे जोश में आ गए थे. थोड़ी देर बाद हमने वो मूवी छोड़ कर बाहर आ गए और उसके पसंद के एक होटल में चेक-इन करा।

रूम में घुसते ही मैंने पूरे कमरे में कैमरा वगैरह की जांच करी। और उसके बाद हम दोनों एक दूसरे पर टूट पड़े.

मैंने उसको दीवार के सहारे खड़ा कर अच्छे से उसके होंठों को चूसा और उसकी चूची दबायी।

उसने ऐसी बहुत ही मादक सिसकारियां भरी।

उसको मैंने पूरा अपने बांहों में सिमटा लिया। उसकी आँखों में देखा तो वो हल्की सी भर गई थी।

वो बोली कि उसका पति उसको बिकुल समय नहीं देता और न प्यार देता है ; ना ही इज्जत !

मैंने बोला- कोई बात नहीं, आज मैं तुमको पूरा प्यार दूंगा.

और मैंने उसका दुप्पटा हटा दिया और उसके होंठ चूसने लगा.
वो भी मेरा साथ दे रही थी।

मैंने उसके पूरे जिस्म को छुआ और फिर उसके कपड़े धीमे धीमे उतारने लगा। वो भी मेरी शर्ट और पैंट खोलने की कोशिश करने लगी, मैंने साथ दिया।

जब मैंने उसको बस ब्रा पैंटी में देखा, मैं पागल ही हो गया। उसका वजन थोड़ा ज्यादा था लेकिन ऐसी गदरायी लड़की नहीं देखी थी पहले।

कपड़े उतारने के बाद काली ब्रा में कैद उसकी चूचियां कहर ढा रही थीं। मैं उन दोनों को दोनों हाथों से पकड़ कर देर तक मसलता रहा और उसके चेहरे के भाव देखता रहा।

मैंने उसके होंठों को फिर चूसना चालू करा।
बहुत नर्म होंठ थे।

फिर उसकी गर्दन पर किस करना चालू कर दिया और कान के पीछे से नीचे गर्दन तक और फिर दूसरी तरफ किस करते हुए बढ़ने लगा.
वो सिसकारियां ले रही थी।

फिर मैंने उसकी ब्रा को खोल दिया। किस करते करते उसके चूचियों पर आ कर बहुत चूसा और दूसरी चूची को दबाया।
वो मेरा सर पकड़ कर अपनी चूचियों के घुसा देना चाह रही थी। वो बहुत तेज़ तेज़ सांस ले रही थी और सिसकारियां ले रही थी।

मैंने उसको बिस्तर पर लिटाया और चूचियों से किस करते हुए उसकी पेट पर आया और हाथ से उसके दोनों चूचियों को सहला रहा था।

उसके बाद मैंने उसकी चूत को पैंटी के ऊपर से ही किस कर लिया। और फिर उसकी पैंटी को उतार दिया। उसने भी कमर उचका कर साथ दिया। एकदम से उसकी चूत मेरे सामने आ गयी। छोटी सी फूली हुई हल्की गोरी चूत थी उसकी! क्या बताऊँ ... आह!

उसकी चूत हल्की ब्राउन रंग की थी।

मैंने उसको सूँघा तो उसकी खुशबू से मैं पागल हो उठा। मैंने उस पे किस कर दी और नीचे से ऊपर पूरी जीभ से चाटा।

वो चीखते हुए बोली- उम्ह ... अहह ... हय ... याह ... चूसो और चूसो!

उसकी चूत गीली हो गयी थी।

मैं उसकी चूत को खोल और अच्छे से चाटने लगा। उसके दाने को मैं जीभ से जैसे ही छेड़ता था, उसका पूरा शरीर सिहर जाता।

मेरे बालों को पकड़ कर वो मेरे सर को चूत पर दबाने लगी कि जैसे पूरा सर अंदर डाल लेगी।

मैं बिना रुके उसकी रसीली चूत चाट रहा था।

वो जोर जोर से बोल रही थी- आह ... खा जाओ मेरी चूत ... चूस जाओ ... आह आह चाटो ... हां और चूसो ... पहली बार किसी ने चूसा है मेरी चूत को! और तेज़ चाटो!

फिर मैंने उसकी पूरी टाँगें खोल कर उसके गांड के छेद से उसकी चूत के ऊपर तक जीभ फेरना चालू कर दी। गांड से चूत तक एक बार में लंबा लंबा चाट रहा था।

उसकी चूत बह रही थी।

वो बड़बड़ा रही थी- आह आह चाटो ... और चाट ... खा जाओ!

उसने मेरा सिर अपनी चूत पर दबा लिया और बहुत तेज तेज सांसें लेने लगी। मेरे लिए

साँस लेना भी बहुत मुश्किल हो रहा था।

वो अब झड़ने वाली थी. उसकी टाँगें कांपने लगी और फिर उसकी चूत से झरना फूट पड़ा।
उसका शरीर ढीला पड़ गया।

मैं बैठ गया बाजू में ... और उसकी ओर देखने लगा.

उसकी आंखें बंद थी। वो गहरी गहरी सांसें ले रही थी जिससे उसके चूचे ऊपर नीचे हो रहे थे।

थोड़ी देर बाद वो सही हुई तब उसने बोला- पहली बार मुझे ये सुख मिला है।

मैंने कहा- आप तो शादीशुदा हो!

उसने कहा- मेरे पति हमेशा अपनी नौकरी में बिजी रहते हैं, जब घर आते हैं तो टेंशन और थकान की वजह से चुदाई नहीं करते. कभी कभी करते भी हैं तो ज्यादा टाइम नहीं और अच्छे से नहीं करते बस लंड डाल कर थोड़ी देर में ही झाड़ जाते हैं।

“सुनो, अब रहा नहीं जा रहा ... जल्दी से मुझे चोदो!” कहते हुए उसने मेरे लंड को पकड़ लिया।

मेरा लंड फटा जा रहा था। मैंने भी उसके होंठ चूसने चालू कर दिए और चूचे दबाने लगा।
फिर मैं उसके पूरे शरीर को चूमने लगा, कुछ नहीं छोड़ा।

मैं उसको गर्म करने लगा, वो भी सिसकारियां लेने लगी।

फिर उसके मम्मे चूसते हुए उसकी चूत के दाने को उंगली से छेड़ने लगा।

वो पागल हुई जा रही थी।

“आह ... जल्दी चोदो ... अब नहीं रह जा रहा!”

मैंने कंडोम पहना और मैंने उसकी टाँगें खोल कर ऊपर कर दी।

उसकी रसीली फूली हुई चूत सामने आ गई।

मैंने उसकी चूत पर थूक लगा कर उसकी चूत के मुँह पर अपना लंड रख दिया और गोल गोल फेरने लगा.

उसकी साँसें ऊपर नीचे होने लगी।

तब मैंने अपना लंड उसकी चूत पर ऊपर नीचे फेरना चालू कर दिया और उसके दाने पर लंड से मारने लगा।

अब तो वो चुदवाने के लिए मिन्नतें करने लगी।

मुझे तड़पाना अच्छा लगता है।

वो चीख कर बोली- अंदर डालो, अब मत तड़पाओ ना !

मैंने फिर से लंड डाला और थोड़ा जोर लगाया तो वो चीख उठी और बोली- आराम से ...

आराम से करो !

मैंने लंड निकाल कर उसकी चूत में उंगली डाल कर अंदर बाहर करी।

वो बस मजे ले रही थी उंगली से।

अब उसकी चूत तैयार हो चुकी थी मेरा लंड लेने को !

मैंने अब उसकी चूत में लंड डालना शुरू किया तो वो मचल गयी. मैंने उसको पकड़ के रखा

और मैंने पूरा लंड अन्दर दिया।

उसको दर्द हुआ लेकिन वो सहती रही।

मैंने उसके होंठो को चूमा ; उसके चूचे सहलाये और पूरे शरीर को सहलाता रहा।

थोड़ी देर के बाद वो नार्मल हुई तो मैंने लंड को अन्दर बाहर किया. तो उसने सिसकारी भरी और सांसें तेज़ हुई उसकी।

मैंने धीरे धीरे उसको चोदना चालू शुरू किया और थोड़ी देर तक आराम आराम से उसकी आँखों में देख कर ही चोदा।

उसका चेहरा मेरे सामने था. बड़ी बड़ी आंखें।

नर्म होंठ और मैंने उसके होंठों को चूमते हुए चुदाई चालू कर दी आराम आराम से!
पूरा लंड बाहर निकल कर फिर से गहराई तक डाल देता ... बार बार पूरा निकाल के पूरा अंदर डाल देता।

वो कई दिनों से तड़प रही थी तो उसने जल्दी ही पानी छोड़ दिया।

जब वो झड़ी तो उसने अपनी टाँगें मेरी कमर पर लपेट ली और जोर से जकड़ लिया।

फिर जब उसकी जकड़ ढीली हुई मैं मैंने स्पीड बढ़ा कर उसके चोदने लगा।

पूरे मजे से चुदवा रही थी वो ... बोल रही थी- आह मज़ा आ गया ... और चोदो ...

कितना मस्त चोदते हो ... ऐसे ही चोदते रहो और तेज़ ... आह!

थोड़ी देर में उसका शरीर अकड़ने लगा और वो झड़ने वाली थी. तो मैंने चुदाई की स्पीड और तेज़ कर दी और वो सिसकारियां भरते हुए झड़ने लगी.

फिर मैंने उसे घोड़ी बनाया और पीछे से लंड डाला. मैं बेरहमी से धक्के मार कर चोद रहा था. मैं बिना रुके उसको चोद रहा था और वो मजे ले रही थी.

उसके चुचे हिल रहे थे ... मैंने उसके चुचे हाथ बढ़ा कर मसलने लगा।

बस आंखें बंद किये हुए वो मेरा लंड अपनी चूत में ले रही थी वो पूरे मजे उठा रही थी।

वो बड़बड़ा रही थी- अईया ... ओअह ... उम्ह ... अहह ... हय ... याह ... मज़ा आ

रहा है करो ... और जोर जोर करो ... प्लीज करते रहो ... चोदते रहो मुझे और जोर जोर से!

अब वो भी झड़ने वाली थी.

मेरा भी होने वाला था ; हम दोनों एक साथ ही झड़े।

इतनी मस्त चुदाई के बाद हम दोनों ही बहुत थक गए थे. बहुत देर से से चुदाई कर रहे थे हम!

काफी देर एक दूसरे की बांहों में पड़े रहे।

टाइम काफी हो चुका था ; रात होने को आई थी।

वो उठी.

हम साथ में नहाये और एक राउंड चुदाई करी।

उसके बाद हम दोनों के कपड़े पहने.

मेरे होंठो को चूम कर वो बोली- तुम्हें फिर से बुलाऊंगी.

उसके बाद वो आज भी मुझसे मिलती है। हम लोग कई बार मिले उसने मुझे और भी कईयों से मिलवाया।

बाकी कहानियां फिर कभी।

आपको मेरी चुत चुदाई सेक्स की हिंदी कहानी अच्छी लगी होगी. मेरी ईमेल पे मुझे अपने विचार जरूर बताइये. आपकी शिकायतों और सुझावों का मैं बेसब्री से इन्तजार करूंगा।

maleescortmanu@gmail.com

Other stories you may be interested in

हनीमून पर होटल में बीवी की गांड फाड़ी

Xxx फर्स्ट ऐनल सेक्स कहानी में पढ़ें कि अपनी दुल्हन की चूत की खूब चुदफई करने के बाद मेरा मन उसकी गांड की सील तोड़ने का था. मैं अपने इरादे में कैसे कामयाब हुआ ? फ्रेंड्स, मैं राजेश शर्मा, नागपुर पुनः [...]

[Full Story >>>](#)

मैंने अपनी दुल्हन के साथ सुहागरात मनाई

फर्स्ट नाईट न्यू वाइफ फक्र स्टोरी मेरी शादी के बाद पहली रात यानि सुहागरात की है. उस रात और उससे अगली रात हम पति पत्नी के बीच क्या क्या कैसे कैसे हुआ ? दोस्तो, यह मेरी सच्ची सेक्स कहानी है, जिसे [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी नंगी जवानी की चुदाई की कहानी- 2

टीचर स्टूडेंट Xxx कहानी में पढ़ें कि मुझे मेरी कोचिंग के अकाउंटेंट ने इंस्टीट्यूट में ही नंगी करके चोद दिया. उसके बाद मेरे सर ने मुझे मेरे ही घर में चोदा. यह कहानी सुनें. फ्रेंड्स, मैं सौम्या एक बार फिर [...]

[Full Story >>>](#)

ऑफिस के बॉस को कार में अपनी गांड चटवाई

मैंने कार सेक्स का मजा लिया ऑफिस के बाद पार्किंग में अपने बॉस के साथ ! उस दिन मीटिंग के बाद एक लड़की को बॉस से कार में चुदते देखा तो मुझे भी अपने प्रमोशन की तरकीब मिल गई। ऑफिस कुलीग [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी नंगी जवानी की चुदाई की कहानी- 1

देसी गर्ल पोर्न स्टोरी में पढ़ें कि मैं दिखने में सुन्दर और गोरी हूँ. मैं कई बार एक यार से चुद चुकी थी. कोचिंग सर के एक दोस्त ने कैसे मुझे पटा कर मेरी चूत मारी ? यह कहानी सुनें. मेरा [...]

[Full Story >>>](#)

